

राष्ट्रपति की स्लोवाक गणराज्य की यात्रा

स्रोत: पी.आई.बी.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की **स्लोवाक गणराज्य** (जिसी स्लोवाकिया के नाम से भी जाना जाता है) की यात्रा 29 वर्षों में किसी भारतीय राष्ट्रपति की पहली यात्रा थी, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाना था।

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सार्वजनिक सेवा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय में उनके योगदान के लिये स्लोवाकिया में **मैंडॉकटरेट की मानद उपाधि** से सम्मानित किया गया।

भारत-स्लोवाक गणराज्य संबंध:

- **व्यापार संबंध:** वर्ष 2024 में द्विपक्षीय व्यापार 1.28 बिलियन यूरो को पार कर गया, जिससे भारत ने अनुकूल व्यापार संतुलन बनाए रखा।
 - स्लोवाकिया को भारत के प्रमुख निर्यातों में मोबाइल फोन, जूते, वस्त्र, मोटर वाहन पार्ट्स, दवाएँ शामिल हैं।
 - स्लोवाकिया द्वारा भारत को किये जाने वाले प्रमुख निर्यातों में मोटर वाहन, मशीनरी, पंप, ट्रांसमिशन शाफ्ट शामिल हैं।
 - भारत-स्लोवाकिया वाणिज्यिक संबंधों को बढ़ाने के लिये वर्ष 1995 में एक संयुक्त आर्थिक समिति (JEC) की स्थापना की गई।
- **अंतरिक्ष सहयोग:** पहला स्लोवाक उपग्रह, SKcube, वर्ष 2017 में भारतीय PSLV-XL पर लॉन्च किया गया था।
- **परमाणु सहयोग:** भारत और स्लोवाकिया के बीच शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिये परमाणु ऊर्जा के सुरक्षित उपयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए।
- **स्लोवाक गणराज्य:** यह मध्य यूरोप में एक स्थल-रुद्ध देश है। इसकी सीमा दक्षिण में **हंगरी**, उत्तर में **पोलैंड**, उत्तर-पश्चिम में **चेक गणराज्य**, पश्चिम में **ऑस्ट्रिया** और पूर्व में **यूक्रेन** से लगती है।
 - **वेलवेट रिवोल्यूशन (वर्ष 1989)** ने **चेकोस्लोवाकिया** में साम्यवादी शासन को समाप्त कर दिया और वर्ष 1993 में **चेक गणराज्य** और **स्लोवाकिया** में देश का शांतिपूर्ण विघटन हुआ (जिसी अक्सर "**वेलवेट डिवोर्स**" के रूप में जाना जाता है)।
 - स्लोवाकिया एक **उच्च आय वाली विकसित अर्थव्यवस्था** है जिसकी राजधानी **ब्रातिस्लावा** है और यह **संसदीय लोकतांत्रिक गणराज्य प्रणाली** का पालन करती है।

